आधुनिक हिन्दी गद्य में व्यंग्य का समाज दर्शन

डॉ. सुरेश आचार्य

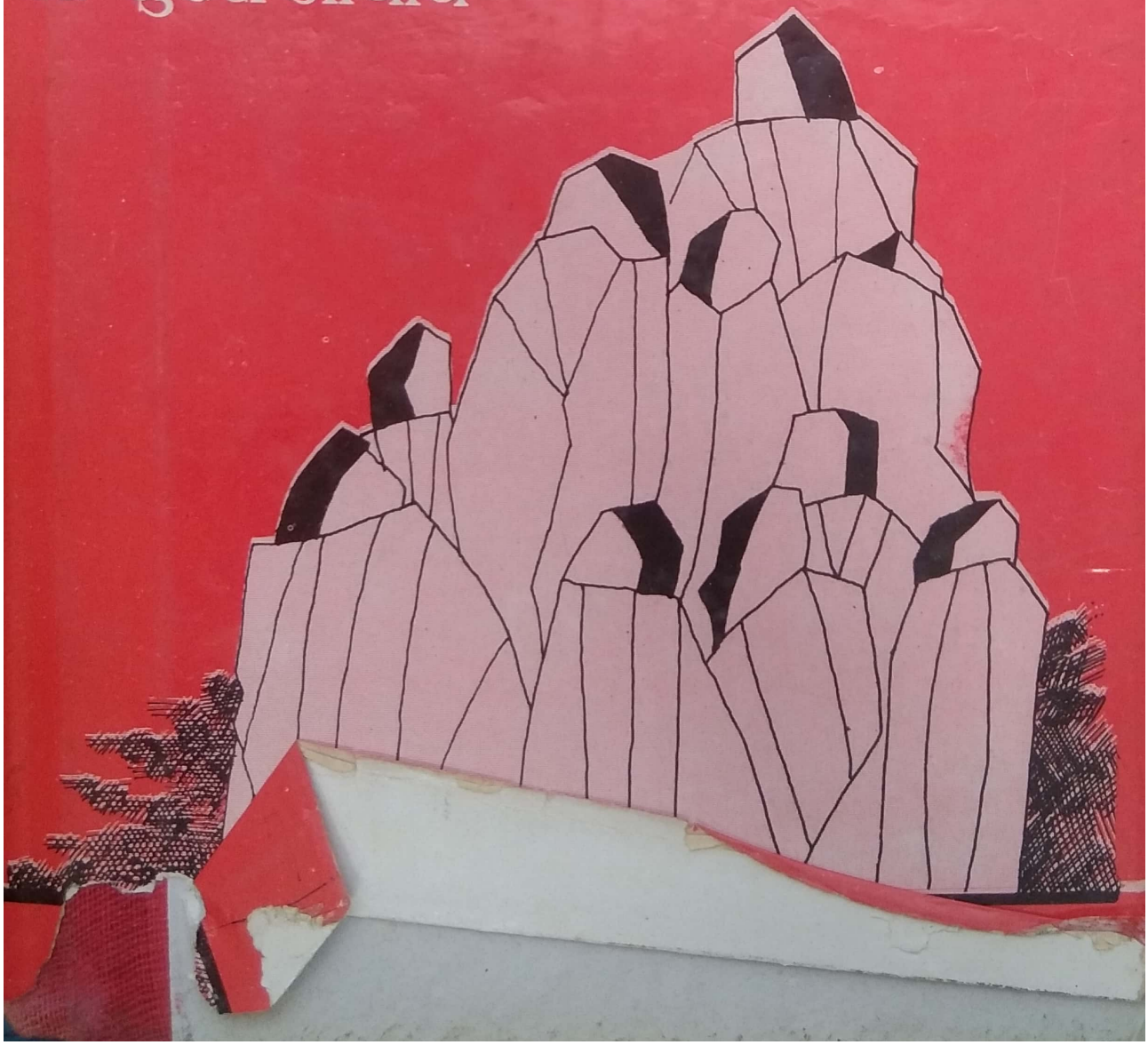

Scanned with OKEN Scanner

आधुनिक हिन्दी गद्य में व्यंग्य का समाज दर्शन

डॉ. सुरेश आचार्य

मानवेन्द्र प्रकाशन
गौर टावर, परकोटा हिल्स, सागर 470-002

Scanned with OKEN Scanner

प्रकाशक :

मानवेन्द्र प्रकाशन
गौर टावर, परकोटा हिल्स
सागर (म.प्र.)

प्रथम संस्करण : 1993 ई.

[पुस्तक के किसी अंश का
अनुमुद्रण वर्जित है]

मूल्य : दो सौ पचास रुपये

मुद्रक :

पं. हरीनारायण मिश्र
गायत्री मुद्रणालय
गौर टावर, परकोटा, सागर

Scanned with OKEN Scanner

डॉ. सुरेश आचार्य

जन्म 2 अगस्त 1947

पचमढ़ी (म.प्र.)

सागर विश्व विद्यालय से प्रथम श्रेणी में एम.ए.।

निराला की सामाजिक चेतना पर पी.एच.डी. व्यंग्य के समाज दर्शन पर डी.लिट.।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर म.प्र. के हिन्दी विभाग में 1971 से कार्यरत सहायक प्राध्यापक।

1984 में रीडर।

अनेक संस्थाओं से संबद्ध म.प्र. के राज्यपाल द्वारा सागर एवं दमोह जिलों के किशोर कल्याण मंडल के अध्यक्ष नियुक्त।

हमारी समस्यायें, कुछ यादें, सागर विश्वविद्यालय समाचार, अभिव्यक्ति, मदान, श्रृंखला आदि के सम्पादक।

निराला की सामाजिक चेतना और पूंछ हिलाने की संस्कृति के रचनाकार।

आचरण सागर में 'आचार्य उवाच' व्यंग्य स्तंभ के लेखक।

पता - सी - 70 विश्वविद्यालय परिसर, गौरनगर सागर (म.प्र.)

Scanned with OKEN Scanner